डेढ़ माह में आएगा बरगी नहर का पानी : डॉ. मोहन

▶ सतना जिले के सिंहपुर में हुआ कार्यक्रम

सतना, 26 जुलाई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अगले डेढ़ माह में बरगी नहर का कार्य पूर्ण हो रहा है, इससे रीवा-सतना क्षेत्र में पेयजल और सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा. हमारी सरकार ने हर खेत तक पानी पहुंचाने का संकल्प लिया है और हम इसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज सतना जिले के सिंहपुर में आयोजित मातृशक्ति उत्सव के अंतर्गत आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2002-03 तक केवल 7 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविध उपलब्ध थी. वर्तमान में हम 55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2028 तक 100 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है. प्रदेश में इस वर्ष 2600 रूपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया गया. अगले दो साल में संभवत: 2700 रूपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जाए.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मंच पर लाडली बहनों ने 20 फीट की राखी स्नेहपूर्वक भेंट की और उनकी कलाई पर राखियां भी बांधी. कार्यक्रम में राज्य आजीविका मिशन की 10 स्व-सहायता समूहों को उन्होंने सीसीएल राशि के प्रतिकात्मक चेक भी वितरित किये. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्यारह नवांकुर बहनों को बीज रोपित पौधे भेंट किये. रक्षाबंधन के दिन यह नवांकुर बहनें इन पौधों को राखी बांधकर इनके पालन-पोषण का संकल्प लेंगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रैगाव विधानसभा क्षेत्र में सिंहपुर में प्रस्तावित सोलर प्लांट स्थापित करने आवश्यक पहल की जाएगी. उन्होंने कहा कि सरकार अक्षय ऊर्जा को बड़ावा देने सोलर पावर के लिए अनुदान दे रही है. किसानों के पंपों को ऊर्जीकृत करने सोलर ऊर्जा के लिए अनुदान दिया जा रहा है.

> नगरीय विकास मंत्री एवं सतना के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि सतना जिले में 12 हजार से अधिक दीदीयां लखपति दीदी की श्रेणी में आ चुकी हैं. किसानों के कल्याण, युवाओं को उन्नति के अवसर उपलब्ध कराने और गरीबों को हरसंभव सहायता पहुंचाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है. राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने बघेली बोली में कहा कि मध्यप्रदेश में नारी शक्ति आज सशक्त होकर मजबूत बन रही है. रैगांव विधान सभा क्षेत्र में अब तक 5 अरब 3 करोड़ रुपए के विकास कार्य मौजूदा सरकार ने कराए है. सांसद गणेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अनेक नवाचार करते हुए योजनाओं को गांव-गांव, घर-घर तक पहुंचाने का कार्य किया है.

कार्यक्रम में विधायक नागौद नागेंद्र सिंह, रामपुर बघेलान विक्रम सिंह, चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, स्पीकर नगर निगम राजेश चतुर्वेदी, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, एसडीएम जितेन्द्र वर्मा, राहुल सिलाडिया सहित व लाडली बहनें उपस्थित थी.

मंत्रालय के गलियारों से

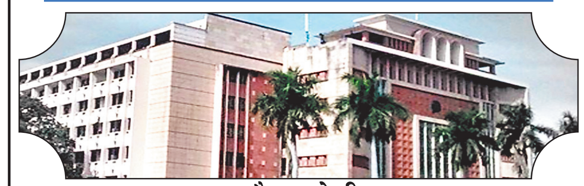

कन्हैया लोधी

पॉवर गेम इज ऑन

मंत्रालय में ताकतवर अफसरों के बीच पॉवर गेम लगातार ऑन है. पिछले दिनों दो ताकतवर अफसरों के बीच जोर-आजमाईश चर्चा का विषय बनी रही. अभी इन दो अफसरों के बीच जोर-आजमाईश का दौर जैसे-तैसे थमा भर थी कि अब एक बार फिर किसी दूसरे ताकतवर अफसर के साथ पॉवर गेम शुरू हो गया है. कुछ दिन पहले ही पांचवीं मंजिल में पदस्थ एक बड़े अफसर ने ऊपर की मंजिल से नीचे उतरे अफसर को एक नोटिस थमा दिया है, जिसमें उनके विभाग को डिफॉल्टर बता दिया गया है. उनके विभाग को चेतावनी दे दी गई है कि यदि बकाया जमा नहीं किया तो ठीक नहीं होगा. बाकायदा अंजाम भुगतने की चेतावनी अप्रत्यक्ष तरीके से दी गई है. अब देखना है कि साहब पर इसका क्या असर होता है.

> **नाराजगी दूसरे के लिये फायदेमंद**
>
> यदि सरकार नाराज हो जाये तो फिर इसकी कीमत अफसरों को चुकानी ही पड़ता है. कुछ ऐसा ही मामला कुछ माह पहले एक एसीएस स्तर के साथ हुआ था, सरकार की नाराजगी के चलते उन्हें मंत्रालय से विदा होना पड़ा था. विदा होने से पहले वे ऐसे महकमे में थे, जिसका कमान संभालने के लिये ज्यादातर अफसर एक पांव पर तैयार बैठे रहते हैं. अब स्थिति बदली, कुछ दिन पहले किसी दूसरे ही अफसर पर सरकार की नाराजगी का गाज गिरी, इसका फायदा पहले नाराजगी झेलने वाले अफसर को मिल गया. ताजा नाराजगी वाले अफसर की मंत्रालय से विदाई हो गई, तो पहले वाले की मंत्रालय में आमद हो गई. इसी को कहते हैं कि वक्त कभी भी एक जैसा नहीं रहता, कब बदल जाये कुछ कहा नहीं जा सकता.

एक मंत्री का रोड-शो जो पॉवर-शो माना गया

पिछले दिनों भाजपा के नये प्रदेश अध्यक्ष एक बड़े शहर में गये. यहां उनके स्वागत के लिये ऐसा माहौल बनाया गया कि जो कि अब तक दूसरे आयोजन को फीका कर गया. दरअसल यहां नये प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिये रो-शो का आयोजन किया गया. इस रोड-शो को जिले से सरोकार रखने वाले एक ताकतवर मंत्री का पॉवर-शो माना गया. ये इसलिये कि इस आयोजन से दूसरे बड़े नेता तो दूर ही दिखे, लेकिन मंत्रीजी पूरे समय सक्रिय रहे. इस दौरान उन्होंने दिखा दिया कि वे शहर में कितने ताकतवर हैं.

इस अदा के तो सभी कायल हैं

केंद्र में मंत्री पद की बड़ी जिम्मेदारी संभाल रहे प्रदेश के एक बड़े नेता की अदा ही निराली है. साहब जब प्रदेश में थे, जो व्यस्तता ज्यादा ही थी, अब केंद्र में है तो भी वे अपने संसदीय क्षेत्र के लिये समय निकाल ही लेते हैं. पिछले दिनों वे अपने संसदीय क्षेत्र में थे, यहां सड़कों का बुरा हाल था, बाढ़ ने लोगों की तकलीफों को और बढ़ा दिया था. इन हालातों में साहब जनता के बीच पहुंच गये और ये विश्वास दिलाने में कामयाब रहे, कि इसके लिये वे जिम्मेदार नहीं है. जनता ने भी उनकी बातों पर भरोसा किया. इसे ही कहते हैं नेता और नेतृत्व की कला में निपुण नेता.... जय हो.

एक नजर में

वीएन अंबाडे मप्र के नए पीसीसीएफ नियुक्त

भोपाल. वरिष्ठ भारतीय वन सेवा अधिकारी वीएन अंबाडे को मध्यप्रदेश का नया प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) नियुक्त किया गया है. वे 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो रहे कार्यवाहक पीसीसीएफ असीम श्रीवास्तव का स्थान लेंगे. यह निर्णय प्रधान सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया. बैठक में असीम श्रीवास्तव समेत अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे. बैठक में अंबाडे के नाम का प्रस्ताव रखा गया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति मिली. सूत्रों के अनुसार, तीन से चार दिनों में नियुक्ति आदेश जारी किए जाएंगे. वीएन अंबाडे वन्यजीव संरक्षण में लंबा अनुभव रखते हैं और फरवरी 2026 में सेवानिवृत्त होंगे. उनके नेतृत्व में वन विभाग को उम्मीद है कि वन्यजीव संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन की दिशा में राज्य में चल रहे प्रयास और अधिक सशक्त होंगे.

कस्टडी में युवक की मौत, अफसर अटैच

मंदसौर. नारकोटिक्स विंग की हिरासत में आरोपी महिपाल सिंह की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। महिपाल को एनसीबी ने ड्रग्स के मामले में पकड़ा था। इलाज के दौरान 24 जुलाई को उसकी तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। परिजनों ने मारपीट का आरोप लगाया है। हंगामे के बाद नारकोटिक्स डीआईजी ने दो निरीक्षकों—राकेश चौधरी और भरत चावड़ा—को इंदौर अटैच कर दिया है। मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

स्कूल की छत से गिरा प्लास्टर, 33 छात्र बचे

शहडोल. सोहागपुर जनपद की बोडरी ग्राम पंचायत स्थित प्राथमिक स्कूल में शनिवार को अचानक छत का प्लास्टर गिर गया। उस समय 33 छात्र मौजूद थे। शिक्षक और छात्र भागकर बाहर निकले और बड़ा हादसा टल गया। स्कूल की इमारत वर्ष 1999 में बनी थी और अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी है.

बीमा में 20 करोड़ की ठगी

▶ फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र से 1000 से ज्यादा क्लेम, ईओडब्लू जांच में खुलासा

ग्वालियर, 26 जुलाई. प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के नाम पर ग्वालियर-चंबल संभाग में करीब 20 करोड़ रुपये की ठगी का खुलासा हुआ है. ईओडब्लू को 1004 फर्जी बीमा क्लेम की जानकारी मिली है.

ठगों ने पहले गरीबों को लोन का लालच देकर दस्तावेज लिए और फिर फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाकर बीमा क्लेम निकाल लिया.ग्वालियर में बीमा कंपनी के कर्मचारी विवेक दुबे, जिग्नेश प्रजापति और दीपमाला मिश्रा के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है. वहीं मुरैना में 679 प्रकरणों की जांच में 5 ऐसे केस सामने आए हैं, जिनमें पहले से मृत लोगों को जीवित दिखाकर बीमा पॉलिसी करवाई गई और बाद में दोबारा मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाकर क्लेम ले लिया गया. इस घोटाले में पंचायत सचिव सूरजराम कुशवाह, मानसिंह कुशवाह समेत कई अन्य पर केस दर्ज हुआ है.

किसानों के साथ सरकार कर रही धोखाधड़ी

▶ पूर्व सीएम दिग्विजय ने लगाए कई गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 26 जुलाई. मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि 2001 में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) शुरू किया, जिसे कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण लागू करता है. इसका उद्देश्य जैविक उत्पादों के निर्यात को प्रमाणित और विनियमित करना है.

इस ढांचे के तहत, एनपीओपी प्रमाणन निकायों (सीबीएस) को मान्यता देता है, जो आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का सत्यापन करती हैं. आईसीएस 25 से 500 किसानों के समूह होते हैं, जो जैविक कपास उगाते हैं. वर्तमान में लगभग 6,046 आईसीएस और 35 सीबीएस हैं. प्रक्रिया ट्रेकनेट नामक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित होती है, जो जैविक उत्पादन का ट्रैक रखने और सत्यापन करने में मदद करता है. आईसीएस के सत्यापन के बाद एक ट्रांजैक्शन सर्टिफिकेट जारी किया जाता है, जो उस आईसीएस को जैविक घोषित करता है.

सबसे बड़ी समस्या यह : पूर्व सीएम सिंह ने कहा कि ज्यादातर किसान जिन्हें आईसीएस में पंजीकृत बताया गया है, वे न तो जैविक कपास उगा रहे हैं और न ही इस प्रणाली में अपनी उपस्थिति के बारे में जानते हैं. मतलब, आईसीएस समूहों ने जानबूझकर धोखाधड़ी करके किसानों के नाम जोड़े हैं ताकि उन्हें ट्रांजैक्शन सर्टिफिकेट मिल सके. उन्होंने कहा कि जब हमारे किसान अपने उत्पाद का सही मूल्य पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तब कुछ शक्तिशाली व्यापारी गैर-जैविक (बीटी) कपास को जैविक बताकर 6 गुना अधिक मुनाफा कमा रहे हैं. इन निर्यातकों द्वारा आयकर और जीएसटी की भी बड़े पैमाने पर चोरी की जा रही है.

पिता, बेटी, बेटा व दादी ने जहर खाकर की आत्महत्या

एसडीएम, एसडीओपी सहित जांच दल मौके पर पहुंचा, आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं

खुरई. क्षेत्र के ग्राम टीहर से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. देर रात गांव के पास खेत में बने मकान में रहने वाले एक ही परिवार के चार सदस्यों ने कथित रूप से जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली. जब लोगो को उल्टियां होने लगी तो परिवार के अन्य सदस्यों ने देखा कि तीन सेल्पास डिब्बी पड़ी है.

चारों कुछ बोल नहीं पा रहे हैं. उन्होंने तत्काल सभी को सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे जहां दो को डॉक्टर ने मृत घोषित कर , तीसरे ने इलाज़ के दौरान और चौथा सागर जाते समय मृत हो गया. मृतकों में फुलरानी पति निर्भय सिंह लोधी उम्र 70 साल, मनोहर पिता निर्भय सिंह लोधी उम्र 42 साल, शिवानी पिता मनोहर लोधी उम्र 18 साल और अनिकेत पिता मनोहर लोधी उम्र 16 साल शामिल हैं. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, सागर से आई टीम ने जांच शुरू की. मृतक के परिजन नंदराम लोधी ने बताया कि हम चार भाई है. दो गांव में रहते हैं और दो भाई खेत में बने बने मकान में. रात के समय उल्टियां करने की आवाज सुनकर में नीचे आया, जहां उसने सभी को तड़पते हुए देखा. गांव लोगों की मदद से सभी को सूचना दी और खुरई अस्पताल ले गए. लेकिन तब तक मां फूलरानी और अनिकेत की मौके पर ही मौत हो चुकी थी. शिवानी ने इलाज़ के दौरान और मनोहर ने जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया.

घटना स्थल पर पहुंचे एसडीएम मनोज चौरसिया, एसडीओपी सचिन परते ने घटना स्थल पहुंचकर मुआयना किया. एसडीएम ने बताया कि टीहर में एक ही परिवार के चार लोग की जहर खाने से मौत हुई है मामला गंभीर है.

नपा घोटाले में इंजीनियर और ठेकेदार फरार

शिवपुरी 26 जुलाई. नगर पालिका में सड़कों की मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये का फर्जीवाड़ा सामने आया है। इंजीनियर सतीश निगम, जितेन्द्र परिहार और ठेकेदार अर्पित शर्मा पर एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि डस्ट व गिट्टी डालने के नाम पर भुगतान तो लिया गया, लेकिन काम नहीं किया गया। शिकायत के बाद एसडीएम की जांच में घोटाले की पुष्टि हुई। कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई की गई. नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा पर भी आरोप लगे हैं. सभी आरोपी फरार हैं.

कोर्ट केस को लेकर महिलाओं के दो गुट आपस में भिड़े

इंदौर. तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में कोर्ट में चल रहे केस को लेकर दो पक्षों की महिलाओं के बीच जबरदस्त विवाद हो गया. बात इतनी बढ़ गई कि एक पक्ष ने दूसरे के घर में घुसकर मारपीट कर दी. दोनों ही पक्षों की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है और क्रॉस केस दर्ज हुए हैं. पहली शिकायत अनुराधा नगर निवासी रुचिता भालसे ने दर्ज कराई. पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर एक-दूसरे के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है.

'हम अपने गांव नहीं छोड़ना चाहते...'

मंडला जिले के बिछिया ब्लॉक की पंच, सरपंचों ने उप मुख्यमंत्री से कहा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 26 जुलाई. उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से शनिवार को निवास में मंडला जिले के बिछिया ब्लॉक से आई निर्वाचित महिला वार्ड पंच और सरपंचों के महिला प्रतिनिधियों ने मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने अपने गांवों की जमीनी जानकारियों को उनके समक्ष रखा. महिला प्रतिनिधियों ने बताया कि वे कान्हा नेशनल पार्क के आस-पास के क्षेत्र से आती हैं, जहां विस्थापन की बार-बार उठती आशंकाओं ने लोगों में डर का माहौल बना दिया है. उन्होंने कहा कि हम अपने गांव नहीं छोड़ना चाहते. उप मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि विस्थापन को लेकर ऐसा कोई मसौदा फिलहाल नहीं है और आपको और क्षेत्रवासियों को बिलकुल भी घबराने और चिंता करने की आवश्यकता नहीं है.

महिला प्रतिनिधियों ने जंगलों में फैल रही लेंटाना जैसी आक्रामक झाड़ी की समस्या को भी उठाया. उन्होंने बताया कि लेंटाना जहां एक ओर अन्य वनस्पतियों को समाप्त कर रहा है, वहीं जंगली जानवरों के गांवों की ओर बढ़ते हमलों और जंगल उत्पादों पर निर्भर आमदनी में गिरावट भी हो रही है.

> उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने उनकी इस समस्या को गंभीरता से सुना शीघ्र निराकरण के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया. महानगर और शहर ही नहीं बल्कि जनजातीय क्षेत्रों के संर्वागीण विकास के लिए डॉ. मोहन यादव की सरकार कृत-संकल्पित है. देवड़ा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ पानी मिले, बिजली की निर्बाध आपूर्ति हो और आम जनमानस बुनियादी सुविधाओं में कोई कमी न आए, इसके लिए हमारी सरकार काम कर रही है.

खण्डेलवाल बैतूल में सुनेंगे 'मन की बात'

भोपाल 26 जुलाई. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल रविवार 27 जुलाई को बैतूल जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनेंगे. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल रविवार को प्रात: 11 बजे बैतूल जिले के घोड़ाडोंगरी विधानसभा के पाढर मंडल के ग्राम बजरवाड़ा के बूथ क्रमांक 339 पर बूथ कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुनेंगे. पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता प्रदेश के सभी बूथों पर आमजन के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुनेंगे.

मंत्री ने खुद मानी भर्ती में रिश्वत की बात

मध्यप्रदेश में 19 हजार से ज्यादा पदों पर हो रही है भर्ती

▶ पैसों के लेन-देन की बात सामने आ रही : नागर

▶ अलीराजपुर में चल रही गड़बड़ियों का वीडियो जारी

भोपाल,26 जुलाई. मप्र की मोहन सरकार के मंत्री नागरसिंह चौहान ने आंगनवाड़ी भर्ती को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने स्वीकार किया कि नियुक्तियों में पैसों के लेन-देन की बात सामने आ रही है.

मंत्री का कहना है कि कुछ दलाल और सरकारी कर्मचारी नियुक्ति दिलाने के बदले में रिश्वत मांग रहे हैं. यह बयान तब आया है जब प्रदेश में 19,504 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जिसमें 2,027 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और 17,477 सहायिका के पद शामिल हैं. चौंकाने वाली बात यह है कि महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री निर्मला भूरिया उसी अंचल से आती हैं, जहां नागरसिंह चौहान ने यह मामला उठाया है, चौहान ने अलीराजपुर जिले में चल रही गड़बड़ियों का वीडियो जारी किया है और कहा है कि ऐसी ही स्थितियां अन्य जिलों में भी हो सकती हैं.

> **विपक्ष ने मांगा जवाब**
>
> कांग्रेस ने इस बयान को सरकार की भर्ती प्रक्रिया पर सीधा सवाल बताया है. पार्टी का आरोप है कि यह भर्ती प्रक्रिया रोज़गार नहीं, धंधा बन चुकी है. अब तो खुद सरकार के मंत्री भी इसकी पुष्टि कर रहे हैं. सरकार की तरफ से अब तक महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. लेकिन इतना तय है कि मंत्री चौहान के बयान के बाद सरकार पर भर्ती पारदर्शिता को लेकर दबाव बढ़ गया है.

मौसम के तेवर ▶ तवा-बरगी समेत कई डैम के गेट खुले, भोपाल की सड़कों पर भरा पानी

एमपी में झमाझम बारिश से नदी-नाले उफान पर

भोपाल,26जुलाई. मध्य प्रदेश में सक्रिय स्ट्रॉन्ग वेदर सिस्टम के चलते लगातार बारिश का सिलसिला जारी है. शनिवार को नौ घंटे में इंदौर, रतलाम, सतना और खजुराहो में 1.8 इंच बारिश हुई. दतिया में 1.6 इंच, उमरिया और नरसिंहपुर में 1.5 इंच, उज्जैन में 1 इंच तथा ग्वालियर, टीकमगढ़, नौगांव व मंडला में करीब पौन इंच पानी गिरा.

भोपाल, जबलपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, सागर, सीधी, बालाघाट, गुना, खंडवा, डिंडोरी, शिवपुरी, सीहोर, मंदसौर, राजगढ़, शाजापुर, बैतूल, विदिशा सहित कई जिलों में रुक-रुक कर बारिश होती रही. लगातार बारिश के कारण नर्मदापुरम स्थित तवा डैम के 9 गेट 10-10 फीट तक खोल दिए गए हैं. बैतूल के सतपुड़ा डैम के 7 गेट, जबलपुर के बरगी और रायसेन के बारना डैम के गेट भी खोले गए हैं. मौसम विभाग की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि प्रदेश में तीन ट्रफ, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक डिप्रेशन सक्रिय है. इसी कारण कहीं भारी तो कहीं अति भारी बारिश हो रही है. यह सिलसिला आगामी चार दिन तक जारी रह सकता है.

> **भोपाल की सड़कों पर पानी**
>
> राजधानी भोपाल के हमीदिया रोड, अल्पना तिराहा और स्टेशन रोड (प्लेटफार्म-6 की ओर) पर 1 से 1.5 फीट तक पानी भर गया. जिससे हजारों लोग परेशान हुए. पहले भी इन इलाकों में पानी भरने की शिकायतें रही हैं, लेकिन नगर निगम इसे नियंत्रित नहीं कर सका है. तेज बारिश होने पर हालात और बिगड़ सकते हैं.

> **रतलाम में बुजुर्ग महिला बही**
>
> रतलाम-बांसवाड़ा हाईवे पर धामनोद गांव में मलेनी नदी की पुलिया पर पानी भर गया. दोपहर में एक जुगाड़ वाहन चालक पुल से पार करने की कोशिश में पानी में बह गया, हालांकि ग्रामीणों ने चालक को बचा लिया. वहीं, शाम को पिपलौदा के नांदलेटा गांव में नाला पार करते समय 70 वर्षीय गुलाबबाई बह गईं, जिनकी तलाश की जा रही है. प्रशासन ने लोगों से एहतियात बरतने की अपील की है.

पूर्व विधायक की सीएसपी पर आपत्तिजनक टिप्पणी

रीवा. चोरहटा थाना परिसर में शुक्रवार को उस समय विवाद की स्थिति बन गई जब भाजपा के पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी ने सिटी एसपी रितु उपाध्याय को कथित तौर पर असंवेदनशील औरत कह दिया. इस दौरान उनके साथ मौजूद कुछ समर्थकों ने पुलिस अधिकारियों से धक्कामुक्की करने की भी कोशिश की.

सूत्रों के अनुसार, एक स्थानीय मामले को लेकर पूर्व विधायक थाने पहुंचे थे. इसी दौरान सिटी एसपी से हुई बातचीत में उन्होंने आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी, जिससे पुलिसकर्मियों में असंतोष फैल गया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, त्रिपाठी के समर्थकों ने स्थिति को और उग्र कर दिया और सुरक्षा कर्मियों के साथ अभद्रता पर उतर आए. घटना के बाद पुलिस महकमे में नाराजगी रही. वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले की जानकारी लेकर रिपोर्ट तलब की है.

> इस प्रकरण को लेकर यह सवाल उठ रहा है कि क्या महिला अधिकारी के सम्मान की रक्षा के लिए राज्य सरकार और गृह विभाग कोई सख्त कदम उठाएंगे? पुलिसकर्मियों की ओर से पूर्व विधायक के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की जा रही है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14